Annexure F

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
Of
One Year Vaaksetu PG Diploma in Translation
(English-Hindi-English)

एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

Session: 2021-22

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

One Year Vaksetu Post Graduate Diploma In Translation

(Eng-Hindi-Eng)

Session 2021-22

अनुवाद के इस पाठ्यक्रम को यथा संभव व्यवहारमूलक तथा बहु दिशागामी अवसर प्रदान करने वाला बनाया गया है तथा कंप्यूटर और नवीनतम हाईटेक जानकारियो से भी जोड़ा गया है | वर्तमान युग की अनिवार्यताओं के चलते यह एक प्रासंगिक, उपयोगी एवं वर्तमान पीढ़ी को आत्म निर्भर बनाते हुए आत्म विश्वास का संकल्प प्रदान करने वाला आजीविका साधक पाठ्यक्रम है |

Programme specific outcomes-

PSO-1: अनुवाद के विविध क्षेत्रों में रोज़गार के लिए प्रशिक्षण देना 1

PSO-2: सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के युग में अनुवाद की उपादेयता का बोध करवाना 1

PSO-3: अनुवाद प्रक्रिया का उपयोग सिखाना 1

PSO-4: भूमंडलीकरण के युग में अनुवाद की रचनात्मक भूमिका स्पष्ट करना 1

PSO-5: कार्यालयी अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना 1

PSO-6: बैंक, बीमा , संसद ,विधि, विज्ञापन तथा कंप्यूटर आदि विशिष्ट क्षेत्रों में अनुवाद का प्रशिक्षण देना 1

PSO-7: तत्काल भाषान्तरण संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करना 1

PSO-8: प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अनुवाद के स्वरूप तथा पत्रकारिता से परिचित करवाना 1

PSO-9: प्रयोजन मूलक हिन्दी, कोश विज्ञान तथा पारिभाषिक शब्दावली में दक्षता प्रदान करना 1

PSO-10: भाषा प्रौद्योगिकी के महत्त्व , उसकी उपादेयता तथा निरंतर बढ़ रही प्रासंगिकता को रेखांकित करना 1

PSO-11: अनुवाद के सैद्दांतिक ज्ञान के साथ साथ उसका विविध आयामों , अनुशासनों में व्यावहारिक बोध करवाना 1

PSO-12: हिंदीतर भारतीय क्षेत्रों में हिन्दी के प्रचार प्रसार को मौलिक तथा अनूदित रूप में गति प्रदान करना 1

Scheme of Studies and Examination
एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा
(अंग्रेजी–हिन्दी–अंग्रेजी)
पाठ्यक्रम
One Year Vaksetu Post Graduate Diploma In Translation
(Eng-Hindi-Eng)

Session 2021-22

(One Year Diploma)				
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Marks**	**Examination time (in Hours)**
			Total	
PVTL-1261	**अनुवाद का व्याकरण**	**C**	**100**	3
PVTL-1262	**भाषा और अनुवाद का समाजशास्त्र**	**C**	**100**	3
PVTL-1263	**जनसंचार माध्यम और अनुवाद**	**C**	**100**	3
PVTL-1264	**पारिभाषिक शब्दावली कोश विज्ञान और अनुवाद**	**C**	**100**	3
PVTD-1265	**अनुवाद का व्यवहारिक परिप्रेक्ष्य**	**C**	**100**	3
PVTM-1266	**मूल्यांकन परियोजना : कार्य एवं सत्र परीक्षा**	**C**	**100 मूल्यांकन परि: कार्य–70** **सत्र परीक्षा –30**	3

PVTL-1267	**अर्धवार्षिक परीक्षा एवं मौखिक परीक्षा**	C	**100** **अ.वा.परीक्षा –50** **मौखिक परीक्षा –50**	3
Total			**700**	

एक वर्षीय वाकसेतु स्नात्तकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

One Year Vaksetu Post Graduate Diploma In Translation

(Eng-Hindi-Eng)

Session 2021-22

Course Outcomes

CO-1: विश्वविद्यालय ,केन्द्रीय विद्यालय में हिन्दी अनुवादक एवं हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्ति |

CO-2: भारतीय राजदूतावास ,सूचना मंत्रालय , रेलवे ,बैंक, तथा अन्य सरकारी कार्यालयों में हिन्दी अधिकारी एवं अनुवादक के रूप में रोज़गार के अवसर |

CO-3: बहुराष्ट्रीय कंपनियों में बतौर अनुवादक के रूप में नियुक्ति के लिए योग्य होंगें |

CO-4: अनुवादक के रूप में स्वतंत्र रूप से कार्य करते हुए रोज़गार का विकल्प विद्यार्थी को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहायक होगा |

प्रश्नपत्र-1 (100 अंक)

अनुवाद का व्याकरण

1.**अनुवाद : अवधारणा और आयाम**

- अनुवाद का महत्व और प्रासंगिकता

- अनुवाद की परंपरा : भारतीय एवं पाश्चात्य

- अनुवाद 'एवं ट्रांसलेशन' शब्द : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

- स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की अवधारणा

- अनुवाद का सीमित एवं व्यापक संदर्भ

- अनुवाद- विज्ञान, कला, शिल्प और शास्त्र

- अनुवाद के सिध्दांत

- अनुवादक के गुण और दायित्व

2.अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार

3. अनुवाद की प्रकिया

4. लिप्यंतरण और अनुवाद

5. अनुवाद की समस्याएँ

6. अननुवाद्यता तथा अनुवाद की सीमाएँ

7. तत्काल भाषांतरण : अवधारणा, स्वरूप,महत्त्व एवं प्रक्रिया

8. अंग्रेज़ी-हिंदी की भाषिक विशिष्टताएँ

- व्यतिरेकी विश्लेषण (अंग्रेज़ी-हिन्दी का तुलनात्मक अध्ययन)

- व्याकरणिक कोटियों के स्तर पर व्यतिरेक

- व्यतिरेकी विश्लेषण का अनुवाद के संदर्भ में महत्त्व

9. भाषा-प्रौद्योगिकी और अनुवाद

10.सूचना-प्रौद्योगिकी और अनुवाद

11. कंप्यूटर (मशीनी) अनुवाद

12. अनुवाद-पुनरीक्षण, संपादन एवं मूल्यांकन

13. भूमंडलीकरण और अनुवाद

सहायक ग्रंथ

1. अनुवाद का व्याकरण, संपा० डॉ० गार्गी गुप्त एवं डॉ० भोलानाथ तिवारी, भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली

2. अनुवाद बोध, संपा० डॉ० गार्गी गुप्त एवं डॉ० पूरनचंद टंडन, भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली

3. अनुवाद साधना, डॉ० पूरनचंद टंडन, अभिव्यक्ति प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली

4. अनुवाद के विविध आयाम, डॉ० पूरनचंद टंडन एवं डॉ० हरीश कुमार सेठी, तक्षशिला प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

5.अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद व्याकरण, प्रो० सूरजभान सिंह, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

6. अनुवाद कला : सिध्दांत और प्रयोग, डॉ० कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

7. अनुवाद की भूमिका, डॉ० कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8. अनुवाद के सिध्दांत, रामचंद्र रेड्डी (अनु डॉ० जे.एल.रेड्डी), साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

9. अनुवाद-शिल्प :समकालीन संदर्भ, डॉ० कुसुम अग्रवाल, साहित्य सहकार, शाहदरा, दिल्ली

10. अनुवाद शतक (भाग 1 एवं 2), संपा० डॉ० पूरनचंद टंडन, भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली

11. अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा, डॉ० सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

12. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद : स्वरूप एवं समस्याएँ, डॉ० सुरेश सिंहल, सार्थक प्रकाशन, नई दिल्ली

13. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य, डॉ० रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, साहित्य निधि, दिल्ली

14. 'शब्द' (Word), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से प्रकाशित, ए.टी.आर. पाठ्यक्रम (दस खंड)

15. अनुवाद सूत्र संग्रह, डॉ० विचार दास, एलाइन पब्लिकेशन्स, प्रा. लि, नई दिल्ली

16. अनुवाद : समस्याएँ और समाधान, डॉ० सत्यदेव मिश्र, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ

17. सूचना प्रौद्योगिकी, हिंदी और अनुवाद, संपा० डॉ० पूरनचंद टंडन, भारतीय अनुवाद परिषद्

18. भाषा-प्रौद्योगिकी एवं भाषा-प्रबंधन, डॉ० सूर्यप्रसाद दीक्षित, किताब घर प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

19. अनुवाद मूल्यांकन, संपा० डॉ० कृष्ण कुमार गोस्वामी एवं डॉ० पूरनचंद टंडन, भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली

20. अनुवाद : संवेदना और सरोकार : डॉ० सुरेश सिंहल, संजय प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

21. अनुवाद : अनुभूति और अनुभव : डॉ० सुरेश सिंहल एवं डॉ० पूरनचंद टंडन, संजय प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र-2 (100 अंक)

भाषा और अनुवाद का समाजशास्त्र

क. सैध्दांतिक खंड

1. भाषा

- परिभाषा, प्रकृति एवं संरचना

- अनुप्रयुक्त भाषा-विज्ञान और अनुवाद

- भाषिक क्षमता, भाषिक दक्षता एवं अनुवाद (सस्यूर, चॉमस्की एवं ब्लूम फील्ड के संदर्भ में)

- शब्द और अर्थ का अंत: संबंध

- अर्थ संरचना और अनुवाद

2. भाषा का सामाजिक पक्ष और अनुवाद

- द्विभाषिकता, बहुभाषिकता और अनुवाद

- भाषा के विविध रूप : मातृभाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, साहित्यिक भाषा एवं प्रयोजनमूलक भाषा आदि ।

- भाषा की विविध शैलियाँ : संस्कृतनिष्ठ हिंदी, हिंदुस्तानी, दक्खिनी हिंदी

- भाषा का आधुनिकीकरण और अनुवाद

- भाषा का मानकीकरण और अनुवाद

- देवनागरी लिपि और वर्तनी का मानकीकरण

- भाषा- विकास में अनुवाद की भूमिका

3. भाषा का सांविधानिक पक्ष और अनुवाद

- संघ की राजभाषा नीति

- राजभाषा हिंदी की सांविधानिक स्थिति

- राजभाषा अधिनियम, नियम आदि

4. प्रयोजनमूलक हिंदी, भाषा-प्रयुक्ति और अनुवाद

(i) प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा

- प्रयोजनमूलक हिंदी के आयाम और अनुवाद

(ii) भाषा-प्रयुक्ति की अवधारणा एवं उसके निर्धारक तत्व

- भाषा-प्रयुक्ति के विषय-क्षेत्र एवं अनुवाद

5. अनुवाद का समाजशास्त्र

- सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ और अनुवाद

- रिश्ते-नाते, पर्व-उत्सव, खान-पान, वेशभूषा एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की शब्दावली का वैशिष्ट्य और अनुवाद की समस्या

- शिक्षा का माध्यम और अनुवाद

- लोकोक्तियों, मुहावरों तथा सूक्तियों की अवधारणा और उनका अनुवाद

6. कार्यालयी भाषा और अनुवाद

- कार्यालयी भाषा की संकल्पना और स्वरूप

- कार्यालयी भाषा की विशेषताएँ

- सामान्य हिंदी, साहित्यिक हिंदी एवं कार्यालयी हिंदी में अंतर

- टिप्पण एवं प्रारूपण की अवधारणा, स्वरूप तथा अनुवाद

- संक्षिप्ताक्षर, पदनाम, विभागीय नाम और अनुवाद

7. रोज़गार और अनुवाद

- अनुवादक, हिंदी अधिकारी, संवाददाता, संपादक भाषांतरकार, दुभाषिया, समाचार लेखक, संपादक, प्रकाशक, अध्यापक/प्राध्यापक, प्रशिक्षक आदि के रूप में रोज़गार अर्थात् 'अनुवाद' का आजीविका साधक प्रदेय ।

8. अशुध्दि-शोधन

- अशुध्दि की संकल्पना, अशुध्दि के प्रकार तथा अशुध्दि-शोधन

ख. व्यावहारिक खंड

- लोकोक्तियों, मुहावरों का अनुवाद

- टिप्पणियों/प्रशासनिक अभिव्यक्तियों का अनुवाद

- प्रशासनिक शब्दावली का अनुवाद

- प्रारूपों/कार्यालयी पत्रों, ज्ञापन, सरकारी विज्ञापन आदि का अनुवाद

- प्रयुक्तियों का अनुवाद

- पद्नामों तथा विभागीय अनुभागों के नामों का अनुवाद

सहायक ग्रंथ

1. आजीविका साधक हिंदी ; डाॅ० पूरनचंद टंडन ; इंद्रप्रस्थ प्रकाशन,दिल्ली

2. संरचनात्मक शैली विज्ञान ; डाॅ० रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, मैकमिलन एंड कंपनी, दिल्ली

3. हिंदी का सामाजिक संदर्भ ; डाॅ० रामनाथ सहाय, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

4. अनुवाद की सामाजिक भूमिका; डाॅ० रीतारानी पालीवाल ; सचिन प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

5. शैली विज्ञान : डाॅ० नगेन्द्र ; नेशनल पब्लिशिंग हाऊस ; दरिया गंज, नई दिल्ली

6. शैली विज्ञान : डाॅ० भोलानाथ तिवारी ; शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

7. शैली विज्ञान : आलोचना की नई भूमिका; डाॅ० रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव; केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

8. भाषा शिल्प: विविध आयाम, डाॅ० कुसुम अग्रवाल, अभिव्यक्ति प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली

9. अनुवाद के नए परिप्रेक्ष्य; संतोष खन्ना, विधि भारती परिषद्, शालीमार बाग, नई दिल्ली

10. पदनाम संक्षिप्ताक्षर (हिंदी अनुवाद का संदर्भ), डाॅ० हरीश कुमार सेठी, साहित्य भारती, दिल्ली

11. अनुवाद :संवेदना और सरोकार; डाॅ० सुरेश सिंहल, संजय प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

12. हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद; डाॅ० पूरनचंद टंडन, किताब घर प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

13. राजभाषा-नीति-कार्यान्वयन ; चुनौतियाँ एवं समाधान; सुनील भुटानी, हेमाद्रि प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली- 32

प्रश्नपत्र-3 (100 अंक)

जनसंचार माध्यमऔर अनुवाद

क. सैध्दांतिक खंड

1. जनसंचार का अर्थ, स्वरूप और प्रकार

- जनसंचार का अर्थ, स्वरूप और समाज

- जनसंचार के विविध माध्यमों का क्रमिक विकास

- जनसंचार के प्रकार (मुद्रण माध्यम, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यम)

2.जनसंचार, भाषा और अनुवाद

- जनसंचार एवं भाषा का अंत: संबंध तथा अनुवाद का महत्व

- जनसंचार माध्यमों (सरकारी, निजी एवं संस्थागत) की भाषा का महत्व

- जनसंचार माध्यमों में हिंदी की स्थिति, अनुवाद की भूमिका और समस्याएँ

3. जनसंचार माध्यमों के विविध संदर्भ और अनुवाद

- समाचार लेखन प्रक्रिया, सिध्दांत और अनुवाद

- संपादन कला और मीडिया में अनुवादक - संपादक की भूमिका

- साहित्यानुवाद और कार्यालयी अनुवाद से जनसंचार माध्यमों के अनुवाद का अंतर

- विविध समाचार संगठनों का संपादकीय ढाँचा

- समाचार एजेंसियाँ, उनका महत्व और अनुवाद की भूमिका

- जनसंचार के सरकारी विभाग, उनकी कार्यपध्दति और अनुवाद की संभावनाएँ

- जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन और अनुवाद

- जनसंचार में क्षेत्रानुगत और विषयगत (बाज़ार, खेल, राजनीति, संस्कृति, अपराध, विधि) भाषिक वैविध्य और अनुवाद

- प्रूफ पठन (आवश्यकता, महत्व, अनुवाद में प्रूफ पठन की भूमिका, प्रूफ संशोधन चिह्न ज्ञान)

- जनसंचार के क्षेत्र विकल्प (अखबार, पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविज़न, फिल्म, प्रकाशन, विज्ञापन, समाचार एजेंसियों में अनुवादक के जीविकोपार्जन विकल्प) आदि।

4. मुद्रण माध्यम और अनुवाद

- राष्ट्रहित में मुद्रण माध्यमों का दायित्व और अनुवाद
- प्रेस विज्ञप्ति और अनुवाद
- संपादकीय, लेख-आलेख, फीचर लेखन और अनुवाद

5. श्रव्य माध्यम (रेडियो) और अनुवाद

- रेडियो की प्रमुख विधाएँ (समाचार, उदघोषणाएँ, आँखों देखा हाल, विशिष्ट श्रोता वर्ग के कार्यक्रम) और उनमें प्रयुक्त भाषा

- रेडियो की प्रमुख विधाओं का अनुवाद

6. दृश्य-श्रव्य माध्यम (टेलीविज़न, सिनेमा, आदि) और अनुवाद

- टेलीविज़न से प्रसारित प्रमुख कार्यक्रम (समाचार, सीरियल, वृत्तचित्र आदि) और उनकी भाषा

- फिल्मों में डबिंग और अनुवाद

- सब-टाइटलिंग और अनुवाद

- पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर) और अनुवाद

7. नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (कंप्यूटर, इंटरनेट आदि) और अनुवाद

8. विज्ञापन और अनुवाद

ख. व्यावहारिक खंड

- समाचार संबंधी अनुच्छेदो का अनुवाद

- जनसंचार में विविध विषयों की पारिभाषिक शब्दावली और प्रयुक्तियों का अनुवाद

- जनसंचार माध्यमों की विभिन्न अभिव्यक्तियों का अनुवाद

- विज्ञापनों का अनुवाद

- प्रूफ-पठन अभ्यास

- संपादकीय और लेख-आलेखों का अनुवाद

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी : स्वरूप और विस्तार; डॉ० पूरनचंद टंडन, डॉ० सुनील कुमार तिवारी, किताब घर प्रकाशन, दरिया गंज, दिल्ली

2. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन; सविता चड्ढा, तक्षशिला प्रकाशन, दरिया गंज, दिल्ली

3. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला; डॉ० हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दरिया गंज, दिल्ली

4. समाचार संकलन और लेखन; नंदकिशोर त्रिखा, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, उत्तर प्रदेश

5. संपादन कला; के.पी. नारायणन, मध्य प्रदेश, हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, मध्य प्रदेश

6. पत्रकारिता: सिध्दांत और विश्लेषण; विश्वनाथ सिंह, किशोरी प्रकाशन, पटना, बिहार

7. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ; भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

8.जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन; डाॅ० विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, पटना, बिहार

9. हिंदी पत्रकारिता: स्वरूप और संरचना; चन्द्रदेव यादव, ग्रंथलोक, दिल्ली

10. इलेक्ट्राॅनिक मीडिया लेखन; प्रो० रमेश जैन, मंगलदीप पब्लिकेशंस, जयपुर

11. सृजनात्मक लेखन, अनुवाद और हिंदी; डाॅ० पूरनचंद टंडन, डाॅ० मुकेश अग्रवाल, किताब घर, दरिया गंज, दिल्ली

12. हिंदी पत्रकारिता: दशा और दिशा; जयप्रकाश भारती, प्रवीण प्रकाशन, महरौली, दिल्ली

13. साक्षात्कार; मनोज कुमार, मध्य प्रदेश, हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

14. भारतीय पत्रकारिता नींव के पत्थर; डाॅ० मंगला अनुजा, मध्य प्रदेश, हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

15. जनसंपर्क: सिध्दांत और व्यवहार; डाॅ० सुशीला त्रिवेदी, शशिकांत शुक्ला, मध्य प्रदेश, हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

16. भारत में प्रेस कानून और पत्रकारिता, गंगा प्रदेश ठाकुर, मध्य प्रदेश, हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

17. जनसंपर्क; प्रो० चंद्र प्रकाश सरदाना, राजस्थान हिंदी अकादमी, जयपुर

18. विज्ञापन तकनीक एवं सिध्दांत; नरेन्द्र सिंह यादव, राजस्थान हिंदी अकादमी, जयपुर

19. समाचार पत्र प्रबंधन; गुलाब कोठारी, राजस्थान हिंदी अकादमी, जयपुर

20. दृश्य-श्रव्य एवं जनसंचार; डाॅ० कृष्ण कुमार रत्तू, राजस्थान हिंदी अकादमी, जयपुर

21. प्रेस, कानून और पत्रकारिता; डाॅ० संजीव भानावत, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

22. पत्रकारिता के मूल सिध्दांत; कन्हैया अगनानी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

23. फीचर लेखन; डाॅ० पूरनचंद टंडन, डाॅ० सुनील कुमार तिवारी, संजय प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

24. हिंदी भाषा : कल और आज; डाॅ० पूरनचंद टंडन, डाॅ० मुकेश अग्रवाल, किताब घर प्रकाशन, दरिया गंज, दिल्ली

25. अनुवाद और मीडिया (नई सदी में सिध्दांत और स्वरूप); डाॅ० कृष्ण कुमार रत्तू, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली

26. अनुवाद का नया चेहरा (जनसंचार माध्यम और भाषा अनुवाद का संदर्भ) ; डाॅ० कृष्ण कुमार रत्तू, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

27. विकास संचार : विविध परिदृश्य ; डाॅ० चंदेश्वर यादव, हेमाद्रि प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली-32

28. समकालीन मीडिया-परिदृश्य और अस्मितामूलक विमर्श; डाॅ० मधु लोमेश ; हेमाद्रि प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली-32

प्रश्नपत्र-4 (100 अंक)

पारिभाषिक शब्दावली, कोशविज्ञान और अनुवाद

क. सैध्दांतिक खंड

1. पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद

- सामान्य एवं पारिभाषिक शब्द में समानता-भिन्नता

- पारिभाषिक शब्द : परिभाषा, स्वरूप और विस्तार

- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के विभिन्न संप्रदाय

- पारिभाषिक शब्दावली : प्रकार और अभिलक्षण

- पारिभाषिक शब्दावली की सहज एवं सुनियोजित विकास प्रक्रिया

- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की परंपरा

- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के विभिन्न संप्रदाय

- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिध्दांत

- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की तकनीकें

- हिंदी पारिभाषिक शब्दावली की वर्तमान स्थिति और एकरूपता की समस्या

- पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद

- प्रशासनिक शब्दावली / अभिव्यक्तियां

(1) 300 अंग्रेज़ी से हिंदी (2) 300 हिंदी से अंग्रेज़ी

(सूची परिषद् द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी)

2. विधि शब्दावली

- उदभव और विकास

- निर्माण के सिध्दांत, वर्तमान स्थिति

- विधि शब्दावली की विशेषताएँ

- विधि शब्दावली

(1) 100 शब्द अंग्रेज़ी से हिंदी (2) 100 शब्द हिंदी से अंग्रेज़ी

3. विधि शब्द कौशल

- पारिभाषिक शब्द एवं निर्माण कौशल

- एकाधिक पारिभाषिक समानार्थी कौशल

- सटीक पारिभाषिक शब्द चयन कौशल

- विधि और साधारण पर्याय कौशल

4. कोश विज्ञान

- कोश और कोश विज्ञान

- कोश की महत्ता और अनुवाद

- कोश के प्रकार

- कोश-निर्माण की प्रक्रिया और उसके सिध्दांत

- कोश-निर्माण प्रक्रिया में कंप्यूटर की भूमिका

- हिंदी में हुए कोश- कार्य का आकलन

- प्रमुख कोश ग्रंथ और कोशकार

ख. व्यावहारिक खंड

पारिभाषिक शब्दावली विषयक अनुवाद

- पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद (अंग्रेज़ी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेज़ी)

विधि विषयक अनुवाद

- प्रशासनिक कानूनी नियमों-दस्तावेज़ों के अनुवाद

- विधि विषयक अनुवाद

- अधिसूचनाओं एवं आदेशों के अनुवाद

- निर्णयों, आदेशों, कर निर्धारण आदेशों, पुलिस अभिलेखों, पंवांटो और अधिनिर्णयों के अनुवाद

- निविदा सूचनाओं, करार, बंधपत्रों और बिलेखों के अनुवाद

- विधि और प्रशासन के मानक खंडो का अनुवाद

- विधि शब्द कौशल के अंतर्गत दिए गए अनुभागों का अभ्यास

कोश- विज्ञान विषयक अभ्यास

- शब्दों को कोशक्रम से (वर्णक्रमानुसार) व्यवस्थित करने का अभ्यास :अंग्रेज़-हिंदी तथा हिंदी-अंग्रेज़ी

सहायक ग्रंथ

1. पारिभाषिक शब्दावली की विकास यात्रा; संपा० डाॅ० गार्गी गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली

2. अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली; डाॅ० सुरेश कुमार एवं अन्य, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

3. कोश विशेषांक; अनुवाद पत्रिका,(अंक संख्या 94-95) भारतीय अनुवाद परिषद्, दिल्ली

4. कोश विज्ञान, डाॅ० भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन,दिल्ली

5. विधि अनुवाद: सिध्दांत और व्यवहार; भाग-1-2, कृष्णगोपाल अग्रवाल, डाॅ० पूरनचंद टंडन, भारतीय अनुवाद परिषद्,नई दिल्ली

6. विधि अनुवाद : विविध आयाम, कृष्णगोपाल अग्रवाल, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली

7. अंग्रेज़ी-हिन्दी कोश; डाॅ० हरदेव बाहरी, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली

8. नीता अंग्रेज़ी-हिंदी शब्दकोश; वेदप्रकाश शास्त्री एवं डाॅ० पूरनचंद टंडन, नीता प्रकाशन, नई दिल्ली

9. सामाजिक विज्ञानों की पारिभाषिक शब्दावली का समीक्षात्मक अध्ययन; डाॅ० गोपाल शर्मा, एस चाँद एंड कंपनी, नई दिल्ली

10. बृहत पारिभाषिक अंग्रेज़ी-हिन्दी कोश; डाॅ० रघुवीर (भूमिका)

11. समांतर कोश; अरविंद कुमार एवं कुसुम कुमार, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र-5(100 अंक)

अनुवाद का व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य

(अंग्रेज़ी-हिंदी-अंग्रेज़ी)

1. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद

- गद्यानुवाद और पद्यानुवाद

2. कार्यालयी साहित्य का अनुवाद

- शब्दावली, टिप्पण, प्रारूपण, पत्र, पदनाम, विभागीय नाम, विज्ञप्ति, ज्ञापन, विज्ञापन आदि ।

3. मीडिया अनुवाद

- मीडिया शब्दावली एवं प्रयुक्तियों का अनुवाद, विज्ञापनों का अनुवाद, समाचारों का अनुवाद ।

4. ज्ञान साहित्य का अनुवाद

- इतिहास, कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सूचना-प्रौद्योगिकी, तकनीकी साहित्य एवं अभिव्यक्तियों आदि का अनुवाद।

5. वित्त, वाणिज्य, बैंक एवं बीमा साहित्य का अनुवाद

6. सामाजिक-सांस्कृतिक सामग्री का अनुवाद

- मुहावरे/लोकोक्तियों का अनुवाद

(इसप्रश्नपत्र में शब्द, मुहावरे-लोकोक्तियों, प्रयुक्तियों, वाक्यांशों, अनुच्छेदों, पत्रों, टिप्पणियों, पदनामों, विभागों-अनुभागों के नामों, संक्षिप्ताक्षरों आदि के साथ-साथ अनुवाद पुनरीक्षण, अनुवाद-संपादन आदि के व्यावहारिक ज्ञान की भी परीक्षा ली जाएगी)

सहायक ग्रंथ

1. काव्यानुवाद : सिध्दांत और समस्याएँ ; डाॅ०नगीनचंद्र सहगल, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

2. कार्यालयी अनुवाद निदेशिका ; गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन, दरिया गंज, नई दिल्ली

3. पत्रकारिता के विविध संदर्भ ; डाॅ० वंशीधर लाल, अनुपम प्रकाशन, पटना, बिहार

4. बैंकों में अनुवाद प्रविधि ; डाॅ० सीता कुंचितपादम, भारतीय अनुवाद परिषद् , नई दिल्ली

5. हिंदी-अंग्रेज़ी अभिव्यक्ति कोश ; डाॅ० कैलाशचंद्र भाटिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

6. आजीविका साधक हिंदी ; डाॅ० पूरनचंद टंडन, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, नई दिल्ली

7. बैंकों में अनुवाद की समस्याएँ ; भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

8. कार्यालयी भाषा अनुवाद ; डाॅ० विचार दास 'सुमन' , भावना प्रकाशन, नई दिल्ली

9. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन ; सूर्यप्रसाद दीक्षित, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली

10. हिंदी : स्वरूप और विस्तार ; डाॅ० पूरनचंद टंडन, डाॅ० सुनील कुमार तिवारी, किताब घर प्रकाशन, दरिया गंज, दिल्ली

11. हिंदी भाषा : कल और आज; डाॅ० पूरनचंद टंडन, डाॅ० मुकेश अग्रवाल, किताब घर प्रकाशन, दरिया गंज, दिल्ली

12. सृजनात्मक लेखन : अनुवाद और हिंदी ; डाॅ० पूरनचंद टंडन, डाॅ० मुकेश अग्रवाल, किताब घर प्रकाशन, दरिया गंज, दिल्ली

प्रश्नपत्र-6 (100 अंक)

मूल्यांकन : परियोजना कार्य एवं सत्र परीक्षा

परियोजना कार्य

क) निबंध लेखन (20 अंक)

- 15 पृष्ठों का अनुवाद विषयक निबंध

- निबंध का विषय परिषद् द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा ।

ख) व्यावहारिक अनुवाद (50 अंक)

- 30 पृष्ठ का अंग्रेज़ी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेज़ी अनुवाद

- पुस्तक का विषय परिषद् द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा ।

अथवा

(क) एवं (ख) के विकल्प में 50 पृष्ठों का अनुवाद विषयक लघु शोध प्रबंध (70 अंक) विषय परिषद द्वारा निर्धारित किया जाएगा

ग) सत्र-परीक्षा (वर्ष में 3 बार) (30 अंक)

- सत्र परीक्षा के अंतर्गत केवल व्यावहारिक अनुवाद ही पूछा /कराया जाएगा | ये तीनों परीक्षाएं कक्षा में ही संपन्न होंगी |

- प्रथम सत्र परीक्षा 10 से 15 अक्टूबर के मध्य

- द्वितीय सत्र परीक्षा 10 से 15 दिसंबर के मध्य

- तृतीय सत्र परीक्षा 10 से 15 फरवरी के मध्य संपन्न होगी

10 10 अंकों की इन तीनों परीक्षाओं के प्राप्तांक विद्यार्थी के वार्षिक प्राप्तांकों में, प्रश्न पत्र 6 में जोड़े जाएंगे |